तत् त्वं पूषन् अपावृणु

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

Buds

KENDRIYA VIDYALAYA AFS BORJHAR
PRIMARY SECTION NEWSLETTER

www.kvafsborjhar.edu.in
Phone : 0361-2480324

1st Edition : 2019-20

Our Leadership...

Chief Patron

Air CMDE Venkat T Mare
Chairman VMC

Patron

Smt. Snigdha Anand
Principal

OUR GUIDE
Sri Apurba Das
Vice-Principal

CHIEF EDITOR
Mrs. Kusumanjali Devi
Head Mistress

EDITOR
Mr. Sucha Singh

Special Thanks to All the Students & Teachers of KV AFS

Our Inspiration...

होमवर्क

जब मिलता है होमवर्क
तब करनी पड़ती है दुगनी मेहनत।
सोचता रह जाता हूँ
पहले करूँ पढ़ाई या फिर करूँ होमवर्क।
कभी-कभी तो सोचकर,
वक्त ही निकल जाता
जब सारे विषयों का होमवर्क मिलता
तो दंग मैं रह जाता।
फिर भी करता हूँ होमवर्क,
जब तक पूरा न हो जाता।

Mrinal Singha, V-A

सावन आया

देखो देखो सावन आया,
अपने संग बादल लाया।
काले काले घने घने,
आसमान में बादल छाये।
देखो देखो बारिश आई,
सबके लिए खुशहाली लाई।
देखो देखो खेतों में,
चारों तरफ हरियाली छाई।
देखो देखो सावन आया,
अपने संग बादल लाया।

Aman

Shri Varun Mitra
Deputy Commissioner,
KVS, GHY

Shri Deepak Kumar Dabral
Asst. Comm. KVS (GHY)

Shri Venkteswar Prasad B
Asst. Comm. KVS (GHY)

Classroom Highlights

Class Display Board

चिड़िया रानी

चिड़िया रानी फुदक फुदक कर,
चीं चीं चूं चूं गाती हो।
फर फर फर फर करती रहती
आसमान तक जाती हो।
मेरे भी पंख होते तो,
मैं भी अम्बर तक जाता।
पेड़ों के ऊपर जा बैठ,
मीठे मीठे फल खाता।

Riya Mali, II-B

Activities

Creative Corner

MY FATHER

You wont show me but I know
That deep down you care for me.
Things you don't do,
And you want me to do.
You guide me when
There is a problem.
You are there in every way
And you may not say
That you are there only for me
And this is my only plea
That I will get a dad like you
In every birth and through!
I love you so much dad!

R U ARJUN (V C)

Creative Corner

गुब्बारे वाला

गुब्बारों को लेकर ढेर,
देखो आया है शमशेर।
हरे, बैंगनी, लाल, सफेद,
रंगों के हैं कितने भेद।
कोई लम्बा कोई गोल,
लाओ पैसे ले लो मोल।
मुट्ठी में लो इनकी डोर,
इन्हें घुमाओ चारों ओर।
हाथों से दो इन्हें उछाल,
लेकिन छूना खूब संभाल।
पड़ा किसी के ऊपर ज़ोर,
एक ज़ोर का होगा शोर।
गुब्बारा फट जाएगा,
खेल खत्म हो जाएगा।

Anirudh Rangarajan, III-B

TREES CRY

Trees trees why are you cry ?
Cutting my leaves that's why.

Trees trees why are you cry ?
Cutting my branches that's why.

Trees trees why are you cry ?
Cutting my stem that's why.

Trees trees why are you cry ?
World is dry lives are die.

MY LITTLE BROTHER

I have a little brother,
Fat and short.
He fights the whole day,
But loves me a lot.
Sometimes we play and
Sometimes we cry.
Sometimes we count,
The stars in the sky.

JAHNAVI SARMA, II B

प्यारा बचपन

अथर्व कुमार शर्मा, II-A

रोज सुनाती माँ कहानी
कहे वो अपनी बात पुरानी।
जब हम छोटे बच्चे थे
करते थे कितनी शैतानी।
कभी न रूकते कभी न थकते
धमाचौकड़ी दिन भर करते
आँखों में भर सपने प्यारे
रात में परियों के घर जाते
कभी पतंग बनाके होड़ लगाके
उसे आसमान तक पहुँचाते
तो कभी बारिश के पानी में सरपट
कागज़ की हम नाव चलाते
पर आज ज़माना फोन का आया
वाटस एप्प और मिस कॉल का आया
बिज़ी हो गए मम्मी पापा
अपने ही मोबाइल में सारे
खेल वो जाने कहाँ खो गए
राजा, मंत्री, चोर, सिपाही
न जाने सब कहाँ सो गए
और हम बच्चे अब क्यों केवल
मशीन के हो गए ?

Saturday Funday

Classroom Activities

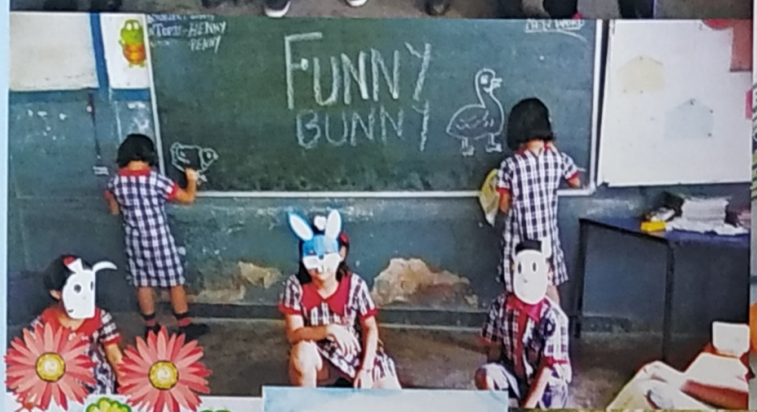

Art Corner

Play, Learn and Grow Together

Pntd. By : PRAGATI GRAPHICS, Ghy-12